



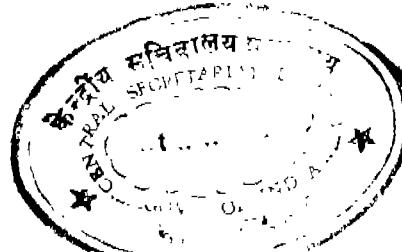
# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 81)  
No. 81]

नई विलासी, शुक्रवार, अप्रैल 6, 1990/चैत्र 16, 1912

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 6, 1990/CHAITRA 16, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह भाग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

### विसंगतियालय

(प्राधिक कार्य विभाग)

(वैकाश प्रभाग)

संकल्प

लंड विल्सनी, 6 अप्रैल, 1990

सं.एफ. 11 (4)/88-प्रार.प्रार.बी. :—यतः केन्द्रीय सरकार ने 26-11-1987 के संकल्प सं.एफ. 10 (21)/87-प्रार.प्रार.बी. द्वारा ग्रान्थ प्रदेश उच्च आदानप्रदान के मेरा-तिवृत् मूल्य व्यायामीश व्याय मूल्य, श्री एस. लोदून रेखी को गान्धीजी और श्रीमिती अधिकारण का अध्यक्ष नियुक्त किया था;

और यतः इस अधिकारण ने वितांक 30 नवम्बर, 1987 से 6 महीने की अवधि के लिये काम करना शुरू कर दिया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिकारण के कार्यकाल को वितांक 27 मई, 1988 के संकल्प सं. 11 (4)/88-प्रार.प्रार.बी. के तहत वितांक 30 मई, 1988 से 29 मई, 1989 तक एक वर्ष की और अवधि के लिये बदाया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिकारण का कार्यकाल वितांक 2-6-1989 के संकल्प सं. 11 (4)/88-प्रार.प्रार.बी. के तहत 30 मई, 1989 से 30 नवम्बर, 1989 तक की और अवधि के लिये बदाया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार का विचार है कि उक्त अधिकारण का कार्यकाल पहली विसम्बर, 1989 से 30 अप्रैल, 1990 तक की अवधि के लिये और बदाया जाए, ताकि वह अपना कार्य पूरा कर सके;

प्रब, प्रतः वितांक 26 नवम्बर, 1987 के उक्त संकल्प संख्या एफ. 10 (21)/87-प्रार.प्रार.बी. के पैराग्राफ 7 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार, एशियारा, राष्ट्रीय और श्रीमिती अधिकारण का कार्यकाल वितांक 1 विसम्बर, 1989 से 30 अप्रैल, 1990 तक पांच महीने की और अवधि के लिये बदाया है ताकि वह अपना कार्य पूरा कर सके और निवेश देती है कि वितांक 26 नवम्बर, 1987 के संकल्प सं. एफ. 10 (21)/87-प्रार.प्रार.बी. के पैराग्राफ 7 में निम्नलिखित संशोधन किया जाए, प्रथमतः :—

वितांक 27 मई, 1988 के संकल्प सं. 11 (4)/88-प्रार.प्रार.बी. के तहत यथा संशोधित और वितांक 2 जून, 1989 के संकल्प सं. 11 (4)/88-प्रार.प्रार.बी. द्वारा पुनः संशोधित उक्त संकल्प के

पैराग्राफ 7 में "1989 के नवम्बर महीने के 30वें दिन को या उससे पहले" शब्दों, अंकों और अक्षरों के स्थान पर "1990 के प्रत्रिल महीने के 30वें दिन को या उससे पहले" शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएं।

—आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

—वह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों/विभागों, सरकारी और क्षेत्र के सभी बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, भारत के उच्चतम न्यायालय सभी उच्च न्यायालयों और 1982 की रिट याचिकाओं (सिलिन) सं. 7149-50 और 1984 की रिट याचिका संख्या 132 के अधीकारों को भेज दी जाए।

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)  
(Banking Division)

RESOLUTIONS

New Delhi, the 6th April, 1990

No. F. 11(4) |88-RRB.—Whereas the Central Government had appointed a National Industrial Tribunal consisting of Shri Justice S. Obul Reddy, Retired Chief Justice of High Court of Andhra Pradesh, as its Chairman vide Resolution No. F. 10(21) | 87-RRB dated the 26th November, 1987;

AND WHEREAS the said Tribunal started functioning with effect from the 30th November, 1987 for a period of six months;

AND WHEREAS the Central Government extended the term of the said Tribunal for a further period of one year from 30th May, 1988 to 29th May, 1989 vide Resolution No. 11(4) |88-RRB dated the 27th May, 1988;

AND WHEREAS the Central Government again extended the term of the said Tribunal for a further period from 30th May, 1989 to 30th November, 1989 vide Resolution No. 11(4) |88-RRB dated 02-06-1989;

AND WHEREAS the Central Government is of the opinion that it is necessary to extend the term of the said Tribunal for a further period of five months from 1st December, 1989 to 30th April, 1990 to enable it to complete its work;

NOW, THEREFORE, in pursuance of paragraph 7 of the said Resolution No. 10(21) |87-RRB, dated the 26th November, 1987, the Central Government hereby extends the term of the National Industrial Tribunal for a further period of five months from the 1st December, 1989 to 30th April, 1990 to enable it to complete its work and directs that the following amendment shall be made in paragraph 7 of the said Resolution No. F. 10(21) |87-RRB, dated the 26th November, 1987, namely :—

In the said Resolution, in paragraph 7 as amended vide Resolution No. 11(4) |88-RRB dated 27th May, 1988, and further amended vide Resolution No. 11(4) |88-RRB dated the 2nd June, 1989, for the words figures and letters "on or before the 30th day of November, 89" the words, figures and letters "on or before the 30th day of April, 1990" shall be substituted.

— ORDERED that Resolution be published in the Gazette of India.

— ORDERED also that the copy of the Resolution be communicated to the Ministries/Departments of the Central Government, all Public Sector Banks, Regional Rural Banks, Supreme Court of India, all High Courts and the Petitioners in the Writ Petitions (CIVIL) Nos. 7149-50 of 1982 and 132 of 1984.

म. एफ. 11 (4) |88 आर.आर.बी. :—यतः केन्द्रीय सरकार ने 26-11-1987 के संकल्प सं. एफ. 10 (21) |87-आर.आर.बी. द्वारा आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के सेवा-निवृत्त मुख्य न्यायालय न्याय मूर्ति, श्री एस. ओबुल रेड्डी को राष्ट्रीय ग्रीष्मीय अधिकारण का पद्धति नियुक्त किया था;

और यतः उक्त अधिकारण में दिनांक 30 नवम्बर, 1987 से 6 महीने की अवधि के लिये काम करना शुरू कर दिया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिकारण के कार्यकाल को दिनांक 27 मई, 1988 के संकल्प सं. 11 (4) |88-आर.आर.बी. के तहत दिनांक 30 मई, 1988 से 29 मई, 1989 तक एक वर्ष की और अवधि के लिये बढ़ाया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिकारण का कार्यकाल दिनांक 2-6-1989 के संकल्प सं. 11 (4) |88 आर.आर.बी. के तहत 30 मई, 1989 से 30 नवम्बर, 1989 तक की ओर अवधि के लिये बढ़ाया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार का विचार है कि उक्त अधिकारण का कार्यकाल पहली दिसम्बर, 1989 से 30 प्रत्रिल, 1990 तक की अवधि के लिये और बढ़ाया जाए, ताकि वह अपना काम पूरा कर सके,

अब, यतः दिनांक 26 नवम्बर, 1987 के उक्त संकल्प संख्या एफ. 10 (21) |87 आर.आर.बी. के पैराग्राफ 7 के अनुवरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वादा, राष्ट्रीय ग्रीष्मीय अधिकारण का कार्यकाल दिनांक 1 दिसम्बर, 1989 से 30 प्रत्रिल, 1990 तक पांच महीने की और अवधि के लिये बढ़ाया है ताकि वह अपना कार्य पूरा कर सके और लियें देनी है कि दिनांक 26 नवम्बर, 1987 के संकल्प सं. एफ. 10 (21) |87 आर.आर.बी. के पैराग्राफ 7 में निम्नलिखित संशोधन किया जाए, अर्थात् :

दिनांक 27 मई, 1988 के संकल्प सं. 11 (4) |88-आर.आर.बी. के तहत यथा संशोधित और दिनांक 2 जून, 1989 के संकल्प सं. 11 (4) |88-आर.आर.बी. द्वारा पुनः संशोधित उक्त संकल्प के पैराग्राफ 7 में "1989 के नवम्बर महीने के 30वें दिन को या उससे पहले" शब्दों, अंकों और अक्षरों के स्थान पर "1990 के प्रत्रिल महीने के 30वें दिन को या उससे पहले" शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएं।

—आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

म.ए. भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों/विभागों, सरकारी और क्षेत्र के सभी बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, भारत के उच्चतम न्यायालय सभी उच्च न्यायालयों और 1982 की रिट याचिकाओं (सिलिन) सं. 7149-50 और 1984 की रिट याचिका संख्या 132 के अधीकारों को भेज दी जाए।

क.व. गोरखनाथ संयोग सचिव

No. F. 11(4) |88-RRB.—Whereas the Central Government had appointed a National Industrial Tribunal consisting of Shri Justice S. Obul Reddy, Retired Chief Justice of High Court of Andhra Pradesh, as its Chairman vide Resolution No. F. 10(21) |87-RRB dated the 26th November, 1987;

AND WHEREAS the said Tribunal started functioning with effect from the 30th November, 1987 for a period of six months;

AND WHEREAS the Central Government extended the term of the said Tribunal for a further period of one year from 30th May, 1988 to 29th May, 1989 vide Resolution No. 11 (1) |88-RRB dated the 27th May, 1988;

AND WHEREAS the Central Government again extended the term of the said Tribunal for a further period of one year from 30th November, 1989 vide Resolution No. 11 (4) |88-RRB dated 02-06-1989;

AND WHEREAS the Central Government is of the opinion that it is necessary to extend the term of the said Tribunal for a further period of five months from 1st December, 1989 to 30th April, 1990 to enable it to complete its work;

NOW, THEREFORE, in pursuance of paragraph 7 of the said Resolution No. 10(21) |87-RRB, dated the 26th November, 1987, the Central Government hereby extends the term of the National Industrial Tribunal for a further period of five months from the 1st December, 1989 to 30th April, 1990 to en-

able it to complete its work and directs that the following amendment shall be made in paragraph 7 of the said Resolution No. F. 10(21) |87-RRB, dated the 26th November, 1987, namely :—

In the said Resolution, in paragraph 7 as amended vide Resolution No. 11 (4) |88-RRB dated 27th May, 1988, and further amended vide Resolution No. 11 (4) |88-RRB dated the 2nd June, 1989, for the words figures and letters “on or before the 30th day of November, 89” the words, figures and letters “on or before the 30th day of April, 1990” shall be substituted.

- ORDERED that Resolution be published in the Gazette of India.
- ORDERED also that the copy of the Resolution be communicated to the Ministeries/ Departments of the Central Government, all Public Sector Banks, Regional Rural Banks, Supreme Court of India, all High Courts and the Petitioners in the Writ Petitions (CIVIL) Nos. 7119-50 of 1982 and 132 of 1984.

C. W. MIRCHANDANI, Jt. Secy.

